Bareilly, Friday,
4 November 2022
BAREILLY EDITION
Price ` 3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण inext

PAGE NO :04 MIDDLE

'एक आवाज मोहब्बत की लालेश्वरी'

14वीं सदी की कश्मीरी कवियत्री लालेश्वरी की कहानी को रूबरू थिएटर ने किया प्रस्तुत

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (3 Nov): श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव 2022 के तीसरे दिन गुरुवार को 14वीं सदी में हुई कश्मीर की आदि कवियत्री लालेश्वरी पर केंद्रित संगीतमय नाटक 'एक आवाज मोहब्बत की... लालेश्वरी' का मंचन रूबरू थिएटर ने किया. लालेश्वरी या लल्ल के नाम से जाने जाने वाली चौदहवीं सदी की भक्तिमार्गी कवियित्री थीं, जो कश्मीर की शैव भक्ति परम्परा और कश्मीरी भाषा की विद्वान थीं. लल की काव्य शैली को 'वाख' कहा जाता है.

कलाकारों ने किया मंचन.

ईश्वर हर जगह बसा है

वाख कश्मीरी भाषा का एक छंद है, जिसमें चार पंक्तियों में कवि अपनी बात कहता है. लल वाख के नाम से जाने जाने वाले, उनके छंद कश्मीरी भाषा में सबसे शुरुआती रचनाएं और आधुनिक कश्मीरी साहित्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. जिस तरह हिंदी में कबीर के दोहे, मीरा के पद, तुलसी की चौपाई और रसखान के सवैये प्रसिद्ध हैं. उसी तरह लल के वाख की भी ख्याति है. अपने वाखों के जरिए उन्होंने जाति और धर्म की संकीर्णताओं से उठकर भक्ति के ऐसे रास्ते पर चलने पर जोर दिया जिसका जुड़ाव जीवन से हो. उन्होंने धार्मिक आडंबरों का विरोध किया और प्रेम और इंसानियत को सबसे बड़ा मूल्य बताया. उनके अनुसार शिव यानी ईश्वर हर जगह बसा हुआ है. रुबरू थिएटर की संस्थापक काजल सूरी के लिखे और निर्देशन में लालेश्वरी के जीवनवृतांत को संगीतमय नाटक के रूप में प्रस्तुत किया गया. इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. एसबी गुप्ता, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार आदि गणमान्य लोग रहे.